खंड 6, अंक -12 , जुलाई-2024

जलांश

केंद्रीय जल आयोग का मासिक सूचना पत्र

श्री कुशविंदर वोहरा
अध्यक्ष, के ज आ

के.ज.आ. के लिए जून एक महत्वपूर्ण महीना था, जिसमें बाढ़ प्रबंधन, सिंचाई योजना और जल संसाधन पहलों पर अंतर्राष्ट्रीय सहयोग में मुख्य रूप से प्रगति हुई और साथ ही साथ विश्व पर्यावरण दिवस एवं अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह उत्साहपूर्वक मनाए गए।

भारत-यूरोपीय संघ जल पहल (आईईडब्ल्यूआई) के तीसरे चरण के तहत, जल शक्ति मंत्रालय (एमओजेएस) के वरिष्ठ अधिकारियों और यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमंडल के बीच राष्ट्रीय जल अकादमी, के.ज.आ., पुणे में एक बैठक आयोजित की गई थी। बैठक के दौरान, जल क्षेत्र के अंतर्गत नदी बेसिन प्रबंधन योजना तैयारी, शहरी बाढ़, नदी बेसिन मॉडलिंग, हाइड्रोलॉजिकल मॉडलिंग, रिमोट सेंसिंग, और जीआईएस और सिंचाई प्रबंधन जैसे प्रमुख क्षेत्रों की पहचान करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। इसका उद्देश्य इन क्षेत्रों में प्रशिक्षकों के कठिन प्रशिक्षण, क्षमता विकास और प्रशिक्षण के लिए पहल की रूपरेखा तैयार करना था।

महीने के दौरान एडीबी अधिकारियों के साथ सिंचाई परियोजनाओं (एसआईएमपी) के आधुनिकीकरण के लिए समर्थन की कार्यान्वयन स्थिति पर एक समीक्षा बैठक हुई। चार परियोजनाओं के लिए परियोजना तैयारी रिपोर्ट (पीपीआर) पूरी कर ली गई है। एडीबी अधिकारियों को यह सुझाव दिया गया था कि के.ज.आ.के भीतर एसआईएमपी के तहत स्थापित केंद्रीय सिंचाई आधुनिकीकरण कार्यालय (सीआईएमओ) का उपयोग इन परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त,विभिन्न राज्यों में सभी एडीबी-समर्थित सिंचाई आधुनिकीकरण परियोजनाओं के लिए सीआईएमओ, संबंधित राज्य और एडीबी के सदस्यों के साथ एक संचालन तंत्र स्थापित करने की सिफारिश की गई थी।

के.ज.आ. और आईआईटी रुड़की ने शहरी बाढ़ और जल संसाधन प्रबंधन के क्षेत्रों में सहयोग करने के लिए दो समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस समझौता ज्ञापन में सिंचाई दक्षता मूल्यांकन, जल लेखांकन अध्ययन, फसली क्षेत्र मानचित्रण, जल ऑडिटिंग, शहरी बाढ़ पूर्वानुमान व जोखिम प्रबंधन, शहरी बाढ़ आप्लावन और जोखिम मानचित्रण से संबंधित अनुसंधान कार्य को व्यापक रूप से शामिल किया गया है।

के.ज.आ. में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस और विश्व पर्यावरण दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। विश्व पर्यावरण दिवस पर, कर्मचारियों ने पर्यावरण को बचाने के लिए शपथ ली और मुख्यालय और क्षेत्रीय कार्यालयों में वृक्षारोपण में भाग लिया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर कर्मचारियों ने योग सत्रों में भाग लिया और कर्मचारियों को योग के लाभों के बारे में शिक्षित किया गया। इसके अतिरिक्त,महीने के दौरान बाढ़ प्रबंधन, अंतर्राज्यीय जल विवाद मामलों और सिंचाई योजना में महत्वपूर्ण प्रगति हुई।

यह एक गर्व का क्षण था जब जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग, जल शक्ति मंत्रालय के सचिव ने स्वच्छता पखवाड़े के उत्कृष्ट निष्पादन के लिए के.ज.आ.को दूसरा पुरस्कार प्रदान किया।

कार्यभार ग्रहण करने के अवसर पर श्री. कुशविंदर वोहरा सीडब्ल्यूसी के अध्यक्ष ने सीडब्ल्यूसी की ओर से माननीय केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल का गर्मजोशी से स्वागत किया।

विषयसूची

विदेशी प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठकें

- भारत यूरोपीय संघ जल पहल (आईईडब्ल्यूआई)

परियोजनाओं के संबंध में बैठकें

- रेणुकाजी बांध परियोजना, हिमाचल प्रदेश
- कोल्डम बांध, हिमाचल प्रदेश
- पोलावरम सिंचाई परियोजना
- लखवार बहुउद्देशीय परियोजना, उत्तराखंड

प्रशिक्षण/कार्यशाला/सम्मेलन

राष्ट्रीय जल अकादमी (एनडब्ल्यूए), पुणे द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

स्थलों/परियोजनाओं का दौरा

पोलावरम सिंचाई परियोजना, आंध्र प्रदेश

अन्य महत्वपूर्ण गतिविधियाँ

I. बाढ़ से संबंधित मामले

- देश में बाढ़ की स्थिति - जून 2024

II. अन्य गतिविधियां

- वृहत और मध्यम सिंचाई परियोजनाओं के प्रकाशनों की समीक्षा बैठक
- एडीबी द्वारा समर्थित सिंचाई परियोजनाओं (एसआईएमपी) के आधुनिकीकरण हेतु समर्थन के कार्यान्वयन की स्थिति पर चर्चा
- स्वच्छता पखवाड़ा पुरस्कार
- आईआईटी रुड़की के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू)
- विभिन्न जलवैज्ञानिक स्थलों के अवलोकनों की स्थिति की समीक्षा

III. जलाशय निगरानी

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

विश्व पर्यावरण दिवस

विदेशी प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठकें

भारत यूरोपीय संघ जल पहल (आईईडब्ल्यूआई)

भारत यूरोपीय संघ की जल पहल (आईईडब्ल्यूआई) का तीसरा चरण मार्च 2024 से शुरू हुआ है और तीन वर्षों तक अर्थात फरवरी 2027 तक जारी रहेगा। पिछले चरणों की उपलब्धियों की समीक्षा करने और चल रही परियोजनाओं के प्रभावी निष्पादन के लिए रणनीति बनाने के लिए भारत-यूरोपीय संघ जल साझेदारी (आईईडब्ल्यूपी कार्रवाई) के विकास और कार्यान्वयन समर्थन पर जल शक्ति मंत्रालय, जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमंडल के बीच एक बैठक आयोजित की गई थी। बैठक के दौरान सचिव, जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार ने इच्छा व्यक्त की कि चरण III के प्रमुख लक्ष्यों में से एक लक्ष्य जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार के तीन प्रशिक्षण संस्थानों की संस्थागत क्षमताओं को बढ़ाना होना चाहिए।

श्री कुशविंदर वोहरा अध्यक्ष,के.ज.आ.और पदेन सचिव, भारत सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप,आईईडब्ल्यूआई के अधिकारियों ;श्री विक्रांत त्यागी, सुश्री छवि शारदा और श्री मोहित कुमार की टीम के साथ राष्ट्रीय जल अकादमी, पुणे में जल क्षेत्र के फोकस क्षेत्रों जैसे नदी बेसिन प्रबंधन योजना की तैयारी; शहरी बाढ़; नदी बेसिन मॉडलिंग;जल विज्ञान मॉडलिंग; रिमोट सेंसिंग व जीआईएस, सिंचाई प्रबंधन आदि को रेखांकित करने के लिए मुख्य अभियंता, राष्ट्रीय जल अकादमी, पुणे, के.ज.आ. की अध्यक्षता में विस्तृत प्रारंभिक परामर्श आयोजित किए गए थे,जिसमें कठोर प्रशिक्षण, क्षमता विकास, प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण और अन्य आवश्यक कार्य भी आरंभ किए गए। जिन विषयों पर इस वित्तीय वर्ष में प्रशिक्षण लिया जा सकता है, उन पर भी विचार-विमर्श किया गया।

प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण पहलों को अधिक गहन तरीके से बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की गई ताकि निरंतर और स्थायी आधार पर मूर्त परिणाम प्राप्त किए जा सकें।

स्थलों/परियोजनाओं का दौरा

पोलावरम सिंचाई परियोजना, आंध्र प्रदेश

पीपीए द्वारा नियुक्त किए गए संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा के विशेषज्ञों के पैनल ने के.ज.आ., पीपीए और पीआईपी के डब्ल्यूआरडी के अधिकारियों के साथ 30 जून से 3 जुलाई 2024 तक पोलावरम सिंचाई परियोजना स्थल का दौरा किया। विशेषज्ञों के पैनल ने अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम कॉफ़रडैम का निरीक्षण किया और विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की जैसे निष्पादित जेट अभिपूरण, रिसाव विश्लेषण, और भू-तकनीकी जांच पर एफआरवाई प्रस्ताव। उन्होंने कुछ तकनीकी-आर्थिक रूप से व्यवहार्य समाधान और उपचारात्मक उपायों का सुझाव दिया। बेहतर समन्वय और गहन परियोजना समझ के लिए जल संसाधन विभाग (डब्ल्यूआरडी), पोलावरम परियोजना प्राधिकरण (पीपीए), के.ज.आ., सीएसएमआर, डब्ल्यूएपीसीओ और मेसर्स एमईआईएल के प्रतिनिधियों के साथ विशेषज्ञ चर्चा में लगे हुए हैं।

पेन्नैयर नदी जल विवाद वार्ता समिति, बेंगलुरु का दौरा

श्री के. वोहरा, अध्यक्ष, के.ज.आ और वार्ता समिति की अध्यक्षता में पेन्नैयर नदी जल विवाद पर वार्ता समिति द्वारा 08.06.2024 से 10.06.2024 की अवधि के दौरान क्षेत्र का दौरा किया गया था। यात्रा के दौरान समिति ने कर्नाटक राज्य और तमिलनाडु राज्य के पेन्नैयर बेसिन में विभिन्न स्थलों का दौरा किया। यात्रा के दौरान के.ज.आ., सीजीडब्ल्यूबी, एनआईएच और कर्नाटक, तमिलनाडु और पुडुचेरी संघ राज्य क्षेत्र के सह-बेसिन राज्यों के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

यारगोल बांध, कर्नाटक

पंप हाउस, यारगोल बांध, कर्नाटक

बायलाहल्ली एलआईएस, कर्नाटक

केलावरपल्ली जलाशय, तमिलनाडु

प्रशिक्षण/कार्यशाला/सम्मेलन

राष्ट्रीय जल अकादमी (एनडब्ल्यूए), पुणे द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्रमांक	प्रशिक्षण का नाम	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या	उद्देश्य
1	जल संरक्षण और प्रबंधन (प्रशिक्षण-सह-कार्यशाला)	एक दिन	250 से अधिक	जिला परिषद, ब्लॉक स्तर, पंचायती राज कार्यकर्ताओं और अन्य हितधारकों के लिए जल संरक्षण और प्रबंधन पर जन जागरूकता कार्यक्रम
2	पंपित संचायक जलविद्युत परियोजनाएँ	दो सप्ताह	44	पंपित संचायक जलविद्युत परियोजनाओं (पीएसएचपी) की योजना और विकास में व्यापक अंतर्दृष्टि प्रदान करना
3	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), मशीन लर्निंग (एमएल), डीप लर्निंग (डीएल) और सरकार के लिए डेटा संचालित निर्णय लेना	तीन दिन	--	प्रतिभागियों को एआई, एमएल और डीएल में आवश्यक कौशल से लैस करना
4	स्तर-1 कनिष्ठ अभियंताओं के लिए अनिवार्य संवर्ग प्रशिक्षण कार्यक्रम (सिविल एवं मैकेनिकल)	चार सप्ताह	5	संवर्ग प्रशिक्षण
5	भारत में जल संसाधन क्षेत्र का अवलोकन	पाँच दिन	--	नेरीवालम, तेजपुर के नए भर्ती/पदोन्नत अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए प्रेरण प्रशिक्षण/शुरुआती प्रशिक्षण कार्यक्रम का हिस्सा

परियोजनाओं के संबंध में बैठकें

रेणुकाजी बांध परियोजना, हिमाचल प्रदेश

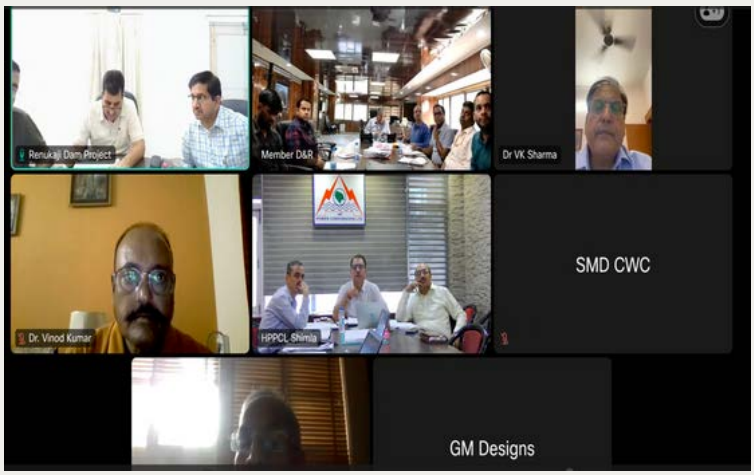

श्री संजय कुमार सिब्बल, सदस्य (डी एंड आर), के.ज.आ. ने निविदा चरण के डिजाइन और ड्राइंग कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए रेणुकाजी बांध स्थल पर चल रहे जांच कार्य की स्थिति की समीक्षा करने हेतु रेणुकाजी बांध परियोजना के भूवैज्ञानिक विशेषज्ञों, के.ज.आ. और एचपीपीसीएल के अधिकारियों के साथ 07-06-2024 को एक बैठक की अध्यक्षता की।

कोल्डम बांध, हिमाचल प्रदेश

श्री संजय कुमार सिबल, सदस्य (डी एंड आर), के.ज.आ. ने 0.06.2024 को के.ज.आ.,सेवा भवन, नई दिल्ली में कोल्डम बांध, हिमाचल प्रदेश के मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एनएचपीसी के साथ एक बैठक की और कोल्डम बांध, हिमाचल प्रदेश के स्पिलवे शूट और ईडीए मुद्दों की समीक्षा के लिए एक डिजाइन सलाहकार के रूप में के.ज.आ.के लिए काम के दायरे को निर्धारित किया गया।

पोलावरम सिंचाई परियोजना

श्री संजय कुमार सिबल, सदस्य (डी एंड आर), के.ज.आ. ने सेवा भवन, आरके पुरम, नई दिल्ली में 29.06.2024 को भौतिक मोड में के.ज.आ.,पीपीए, सीएसएमआर, डब्ल्यूआरडी, (जीओएपी) के अधिकारियों सहितपोलावरम सिंचाई परियोजना हेतु विशेषज्ञों के पैनल (पीओई) के सदस्यों के रूप में कार्यरत चार विशेषज्ञों की समिति के साथ एक बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में परियोजना से संबंधित अधिकारी और विशेषज्ञों के पैनल (पीओई) के बीच एक-दूसरेसे बातचीत की सुविधा प्रदान की गई। अंततः इस बातचीत ने उन्हें परियोजना की प्रगति के लिए आगे का रास्ता खोजने में अपनी विशेषज्ञ सलाह प्रदान करने योग्य बनाकर तकनीकी मुद्दों के बेहतर विज़ुअलाइजेशन और विशेषज्ञों के बीच बेहतर समन्वय में सहायता की। बैठक में के.ज.आ. के मुख्य अभियंता, डिजाइन (एनडब्ल्यू एंड एस) के साथ-साथ उप निदेशक, तटबंध (एनडब्ल्यू एंड एस) निदेशालय ने भाग लिया।

लखवार बहुउद्देशीय परियोजना, उत्तराखंड

लखवार बहुउद्देशीय परियोजना, उत्तराखंड के बिजलीघर परिसर के एनआईआरएम एस 3डी संख्यात्मक मॉडलिंग अध्ययन पर चर्चा करने के लिए के.ज.आ,एनआईआरएम और यूजेवीएन लिमिटेड के अधिकारियों के साथ मुख्य अभियंता, डिजाइन (एनएंडडब्ल्यू) की अध्यक्षता में के.ज.आ सेवा भवन, नई दिल्ली में 18.06.2024 को हाइब्रिड मोड में एक बैठक आयोजित की गई थी। बैठक के दौरान, मॉडल के प्रकार, मॉडल तैयार किए जाने संबंधी मामलों/ परिदृश्यों, इंस्ट्रूमेंटेशन एवं मॉडलिंग और अन्य मॉडलिंग बारीकियों में इसके उपयोग के पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

अन्य महत्वपूर्ण गतिविधियाँ

1. बाढ़ से संबंधित मामले

देश में बाढ़ की स्थिति - जून 2024

ब्रह्मपुत्र, बराक और झेलम घाटियों में 01.05.2023 को नियमित बाढ़ पूर्वानुमान गतिविधि शुरू हुई।1 मई से 30 जून 2024 की अवधि के दौरान, कुल 772 (754 स्तर + 18 अंतर्वाह) बाढ़ पूर्वानुमान जारी किए गए थे, और 714 (697 स्तर + 17 अंतर्वाह) पूर्वानुमान 92.49% प्रतिशत सटीकता के साथ अनुमेय सीमा के भीतर थे। केंद्रीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से जून 2024 के महीने के दौरान 27 लाल बुलेटिन (चरम बाढ़ की स्थिति के लिए) और 114 नारंगी बुलेटिन (गंभीर बाढ़ की स्थिति के लिए) जारी किए गए थे।

01.05.2024 से 30.06.2024 के दौरान बाढ़ की स्थिति का सारांश

चरम बाढ़ की स्थिति

एक बाढ़ पूर्वानुमान स्टेशन पर चरम बाढ़ की स्थिति देखी गई।

क्रमांक	राज्य	जिला	नदी	स्टेशन	अवधि	
					से	तक
1	असम	जोरहाट	ब्रह्मपुत्र	नीमतीघाट	30/06/2024	02/07/2024

चार बाढ़ निगरानी स्टेशनों पर चरम बाढ़ की स्थिति देखी गई।

गंभीर बाढ़ की स्थिति

असम, बिहार, सिक्किम और पश्चिम बंगाल में 23 बाढ़ पूर्वानुमान स्टेशनों पर गंभीर बाढ़ की स्थिति देखी गई।

असम, बिहार, मणिपुर, केरल, कर्नाटक और त्रिपुरा में16 निगरानी स्टेशनों पर गंभीर बाढ़ की स्थिति देखी गई।

सामान्य बाढ़ की स्थिति से ऊपर

अरुणाचल प्रदेश, असम, पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश और केरल में 22 बाढ़ पूर्वानुमान स्टेशनों पर बाढ़ की स्थिति सामान्य से ऊपर देखी गई।

सीमा से अधिक अंतर्वाह वाले जलाशय

तमिलनाडु, कर्नाटक और केरल में 7 जलाशयों को उनकी सीमा से अधिक अंतर्वाह प्राप्त हुआ।

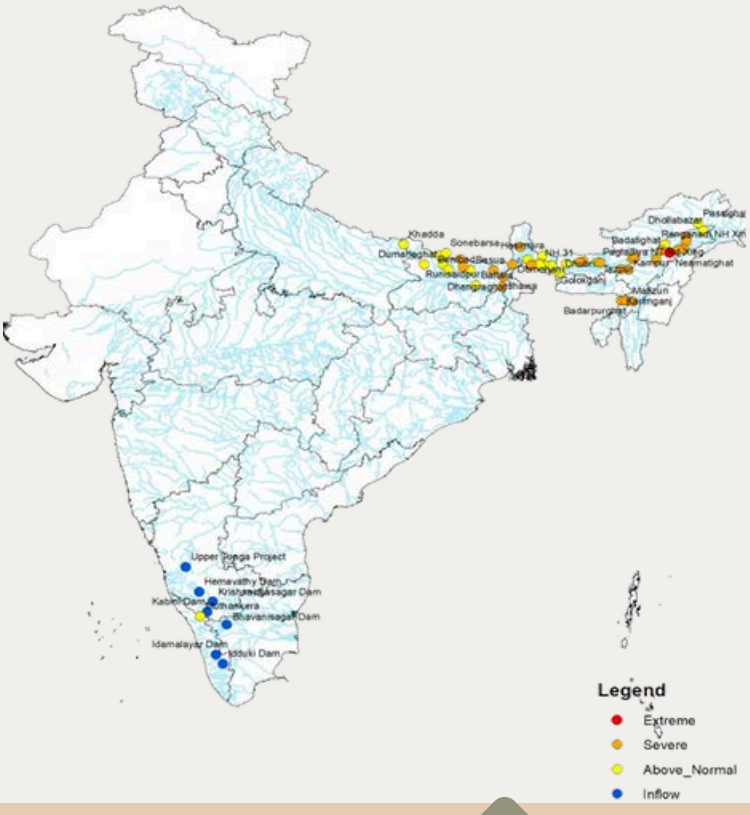

2. अन्य गतिविधियां

वृहत और मध्यम सिंचाई परियोजनाओं के प्रकाशनों की समीक्षा बैठक

एमएमआई परियोजनाओं के राष्ट्रीय रजिस्टर के प्रकाशन की प्रगति की समीक्षा करने के लिए 29 जून, 2024 को अध्यक्ष, के.ज.आ. की अध्यक्षता में सदस्य (डब्ल्यूपी एंड पी), के.ज.आ., मुख्य अभियंता (पीएओ) और निदेशक (पी एंड पी) के साथ एक बैठक आयोजित की गई थी। बैठक के दौरान भारत में एमएमआई परियोजनाओं के राष्ट्रीय रजिस्टर का अंतिम मसौदा प्रस्तुत किया गया था। बैठक में निर्णयों के अनुपालन में, मसौदे को अद्यतन किया जाएगा और भारत में एमएमआई परियोजनाओं का राष्ट्रीय रजिस्टर जल्द से जल्द प्रकाशित किया जाएगा।

एडीबी द्वारा समर्थित सिंचाई परियोजनाओं (एसआईएमपी) के आधुनिकीकरण हेतु समर्थन के कार्यान्वयन की स्थिति पर चर्चा

श्री कुशविंदर वोहरा, अध्यक्ष, के.ज.आ. और भारत सरकार के पदेन सचिव, ने सिंचाई परियोजनाओं (एसआईएमपी) के आधुनिकीकरण हेतुसमर्थन के कार्यान्वयन की स्थिति की समीक्षा करने के लिए 13/06/2024 को बैठक की। बैठक में एडीबी मुख्यालय मनीला से सुश्री यास्मिन सिद्दीकी, निदेशक सुश्री एलेक्सिया मिशेल्स और एडीबी दिल्ली के श्री विकास गोयल और के.ज.आ. के अधिकारियों ने भाग लिया। चार परियोजनाओं के लिए तैयार पीपीआर के संबंध में आगे के मार्ग पर चर्चा की गई।

एडीबी के अधिकारियों ने उल्लेख किया कि कर्नाटक राज्य आधुनिकीकरण के लिए शायद कई परियोजनाएं शुरू कर सकता है। के.ज.आ. के अध्यक्ष ने सुझाव दिया कि के.ज.आ. में एसआईएमपी के तहत स्थापित केंद्रीय सिंचाई आधुनिकीकरण कार्यालय (सीआईएमओ) का उपयोग ऐसी परियोजनाओं को आगे बढ़ाने में किया जा सकता है। यह सीआईएमओ में विशेषज्ञता को और विकसित करने में मदद करेगा जो बदले में राज्यों को आधुनिकीकरण परियोजनाओं के बेहतर कार्यान्वयन में मदद कर सकता है।

के.ज.आ. के अध्यक्ष ने सीआईएमओ, संबंधित राज्य और एडीबी के सदस्यों वाले विभिन्न राज्यों में सभी एडीबी सहायता प्राप्त सिंचाई आधुनिकीकरण परियोजनाओं के लिए एक संचालन तंत्र बनाने का भी सुझाव दिया, जो इस संबंध में कार्यों के मानकीकरण में मदद करेगा। आरएपी-मास्कॉट (नहर संचालन तकनीकों के लिए मानचित्रण प्रणाली और सेवाएं), सिंचाई आधुनिकीकरण योजना (आईएमपी) और एसआईएमपी के तहत सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुभवों का उपयोग भविष्य के प्रस्तावों के लिए किया जा सकता है।

स्वच्छता पखवाड़ा पुरस्कार

श्री कुश्विंदर वोहरा, अध्यक्ष, के.ज.आ.और भारत सरकार के पदेन सचिव ने 11 जून, 2024 को सचिव डीओडब्ल्यूआर, आरडी और जीआर, जल शक्ति मंत्रालय द्वारा के.ज.आ. में आयोजित स्वच्छता पखवाड़े केउत्कृष्ट निष्पादन के लिए दूसरा पुरस्कार प्राप्त किया।

के.ज.आ.के अध्यक्ष ने यह पुरस्कार के.ज.आ.(मुख्यालय)के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों और स्वच्छता पखवाड़े के उत्सव में शामिल क्षेत्रीय संगठनों को समर्पित किया।

अध्यक्ष महोदय के निर्देश पर के.ज.आ. ने 16 मार्च से 31 मार्च 2024 तक देश भर में स्वच्छता पखवाड़ा मनाया। इस पखवाड़े में के.ज.आ मुख्यालय, नई दिल्ली और भारत भर के क्षेत्रीय कार्यालयों में आयोजित गतिविधियाँ शामिल थीं, जो क्षेत्रीय कार्यालयों के परामर्श से योजनाबद्ध और कार्यान्वित की गई थी। प्रमुख गतिविधियों में स्वच्छता प्रतिज्ञा, स्थानीय निवासियों और प्रशासन के सहयोग से कार्यालय परिसर, जल निकायों, तालाबों, झीलों, घाटों, नदी तटों और सीडब्ल्यूसी साइट कार्यालयों के पास के क्षेत्रों की सफाई शामिल थी।

छात्रों में स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए, स्कूली बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें दैनिक जीवन में स्वच्छता के महत्व पर जोर दिया गया। इसके अतिरिक्त, स्वच्छता और जल संरक्षण के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए के.ज.आ. कर्मचारियों द्वारा वृक्षारोपण गतिविधियों और नुक्कड़ नाटकों (नुक्कड़ नाटक) का आयोजन किया गया।

आईआईटी रुड़की के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू)

जल संसाधनों के क्षेत्र में कार्यरत हितधारकों के साथ सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से, श्री कुशविंदर वोहरा, अध्यक्ष, के.ज.आ. और भारत सरकार के पदेन सचिव ने आईआईटी, रुड़की के साथ विस्तृत चर्चा की और यह निर्णय लिया गया कि के.ज.आ. और आईआईटी रुड़की; शहरी बाढ़ और जल संसाधन प्रबंधन के क्षेत्रों में सहयोग कर सकते हैं।

इस संबंध में, श्री कुश्विंदर वोहरा, अध्यक्ष, के.ज.आ. और प्रो.के.के.पंत, निदेशक, आईआईटी रुड़की द्वारा उपरोक्त क्षेत्रों में दो समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

मोटे तौर पर समझौता ज्ञापनों में सिंचाई दक्षता मूल्यांकन, जल लेखांकन अध्ययन, फसली क्षेत्र मानचित्रण, जल ऑडिटिंग, शहरी बाढ़ पूर्वानुमान और जोखिम प्रबंधन, शहरी बाढ़ आप्लावन और खतरे की मैपिंग आदि से संबंधित अनुसंधान कार्य शामिल हैं। ये कार्य दोनों संस्थानों की विशेषज्ञता और संसाधनों का लाभ उठाते हुए आपसी परामर्श और सहयोग के माध्यम से किए जाएंगे।

विभिन्न साइटों के हाइड्रोलॉजिकल प्रेक्षणों की समीक्षा स्थिति

श्री कुशविंदर वोहरा, अध्यक्ष, केंद्रीय जल आयोग और भारत सरकार के पदेन सचिव ने के.ज.आ. द्वारा स्थापित विभिन्न स्थलों की हाइड्रोलॉजिकल टिप्पणियों की स्थिति की समीक्षा करने के लिए 5 जून, 2024 को एक बैठक आयोजित की। निविदाओं/ अनुबंधों की स्थिति और इससे जुड़ी विभिन्न गतिविधियों की भी समीक्षा की गई।

बैठक में सभी क्षेत्रीय मुख्य अभियंता, अधीक्षण अभियंता/ निदेशक, के.ज.आ. के क्षेत्रीय संगठनों के कार्यकारी अभियंता और के.ज.आ. (मुख्यालय) के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

अध्यक्ष, के.ज.आ. ने इस बात पर जोर दिया कि मानसून पहले ही देश के पूर्वोत्तर और दक्षिणी क्षेत्र में आ चुका है और सहायता व पर्यवेक्षी सेवाओं से संबंधित निविदा प्रक्रिया में किसी भी देरी के कारण के.ज.आ. की महत्वपूर्ण बाढ़ पूर्वानुमान गतिविधियां प्रभावित नहीं होनी चाहिए। के.ज.आ. के प्रत्येक क्षेत्र संगठन के लिए सहायता और पर्यवेक्षी सेवाओं, नौकाओं को किराए पर लेने, टेलीमेट्री स्टेशनों के कामकाज आदि से संबंधित गतिविधियों की गंभीर समीक्षा पर विस्तार से चर्चा की गई और कई निर्णय लिए गए ताकि सभी कार्य सुचारू रूप से किए जा सकें।

3. जलाशय निगरानी

के.ज.आ. साप्ताहिक आधार पर देश के 150 जलाशयों की सक्रिय भंडारण स्थिति की निगरानी कर रहा है और हर गुरुवार को साप्ताहिक बुलेटिन जारी कर रहा है। इन जलाशयों में से, 20 जलाशय जल-विद्युत परियोजनाओं के हैं, जिनकी कुल संग्रहण क्षमता 35.299 बीसीएम है। इन 150 जलाशयों की कुल संग्रहण क्षमता 178.784 बीसीएम है, जो देश में अनुमानित 257.812 बीसीएम की सक्रिय भंडारण क्षमता का लगभग 69.35% है।

दिनांक 27.06.2024 के जलाशय भंडारण बुलेटिन के अनुसार, इन जलाशयों में उपलब्ध सक्रिय भंडारण 36.368 बीसीएम है, जो इन जलाशयों की कुल संग्रहण क्षमता का 20% है। हालांकि, पिछले साल इन जलाशयों में संबंधित अवधि के लिए उपलब्ध सक्रिय भंडारण 46.369 बीसीएम था और पिछले 10 वर्षों का औसत जीवित भंडारण 42.645 बीसीएम था। इस प्रकार, 27.06.2024 बुलेटिन के अनुसार 150 जलाशयों में उपलब्ध सक्रिय भंडारण पिछले वर्ष की इसी अवधि के सक्रिय भंडारण का 78% और पिछले दस वर्षों के औसत भंडारण का 85% है।

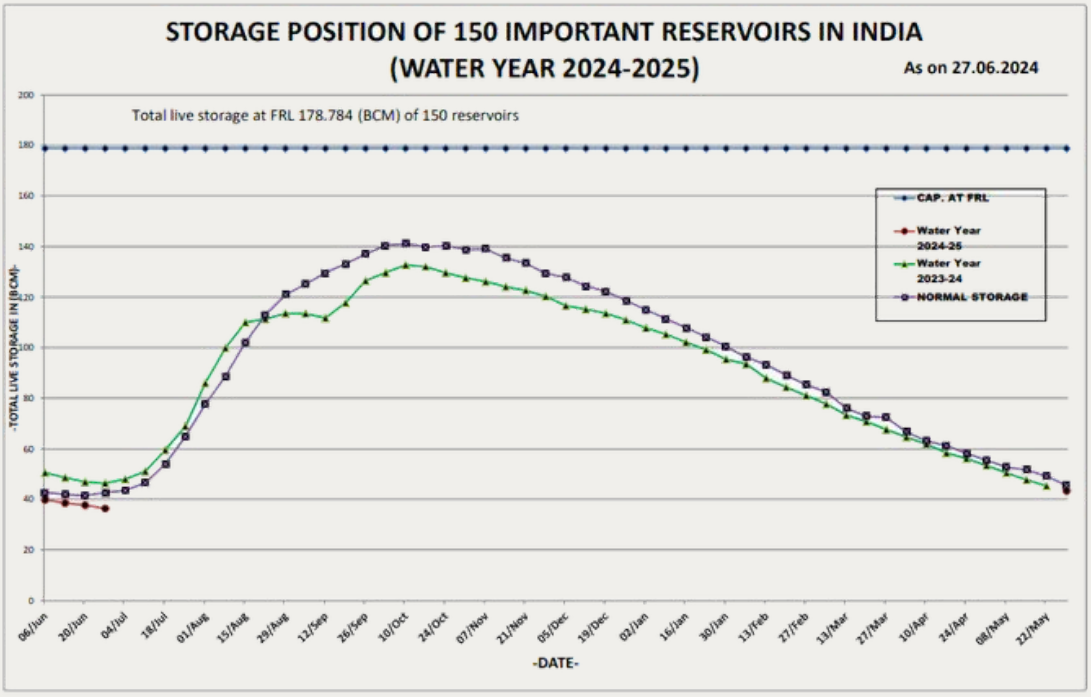

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

विश्व पर्यावरण दिवस

पीएमकेएसवाई-एआईबीपी और सीएडीडब्ल्यूएम परियोजनाओं को पूरा करने (पहले से ही पूर्ण सहित) को दर्शाने वाला और फौजदारी के लिए अनुशंसित मानचित्र ।

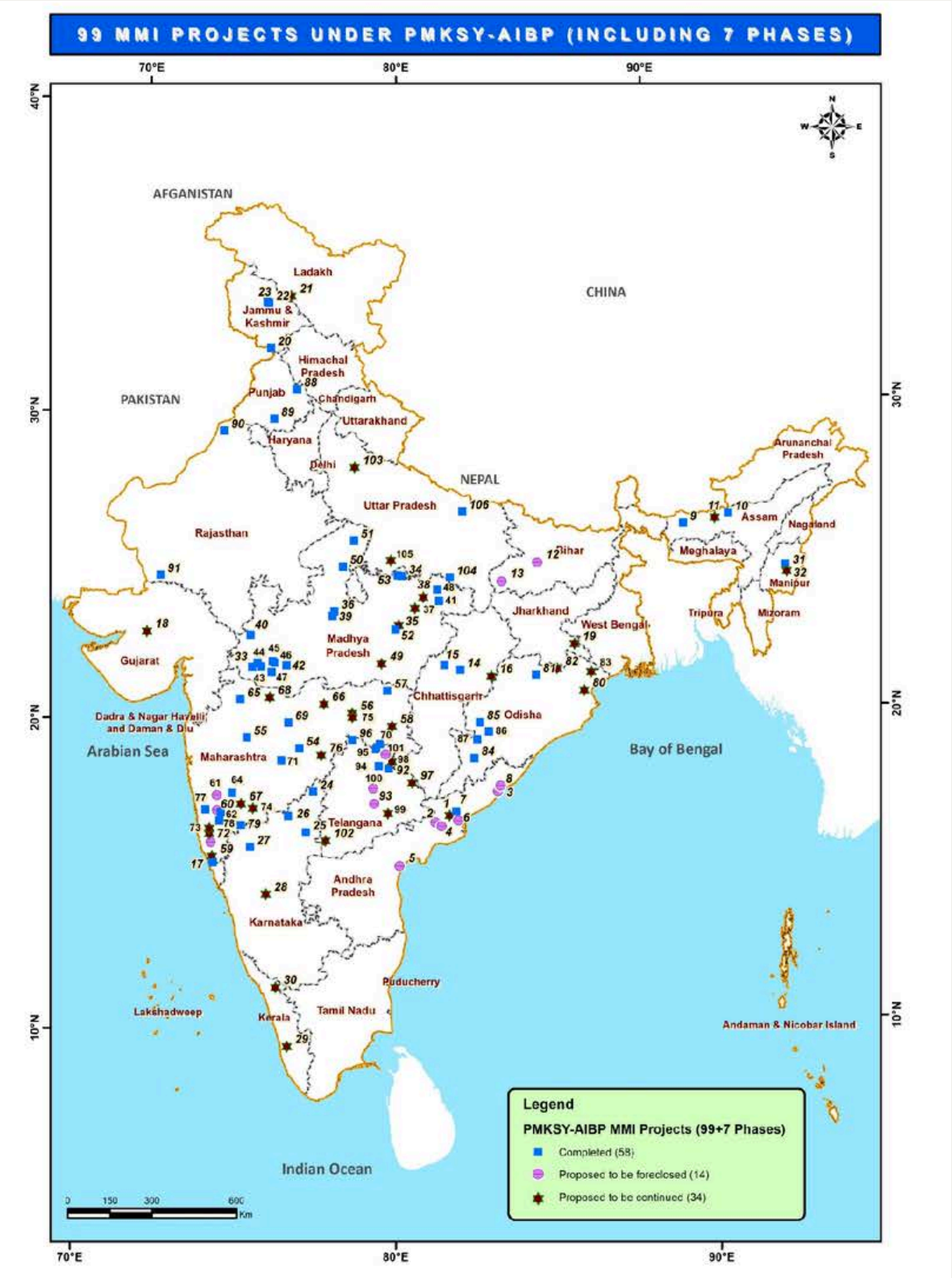

केंद्रीय जल आयोग

जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण विभाग, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार का एक सम्बद्ध कार्यालय

संपादक मंडल

- श्री पदमा दोर्जे, मुख्य अभियंता (मा.सं.प्र.) - मुख्य संपादक
- श्री योगेश पैथंकर, मुख्य अभियंता(पीएमओ) - सदस्य
- श्री राकेश टोटेजा, निदेशक(नदी प्रबंध समन्वय) - सदस्य
- श्री भूपिंद्र सिंह, निदेशक(टीसी) - सदस्य
- श्री सुनीलकुमार -II, निदेशक(डब्ल्यूपीएंडपी—सी)- सदस्य
- श्री श्री शेखरेन्दु झा, निदेशक (ज.प्र.अभि.) - सदस्य
- श्री आर.के. शर्मा, उप निदेशक(डीएण्डआर सम.) - सदस्य
- श्री कैलाश के. लाखे, उप निदेशक(ज.प्र.अभि.)-सदस्य सचिव
- अनुवाद - श्रीमति मीना कुमारी, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी

अभिकल्प एवं प्रकाशन

जल प्रणाली अभियांत्रिकी निदेशालय
केन्द्रीय जल आयोग

द्वितीय तल (दक्षिण) सेवा भवन, रामकृष्णपुरम्, नई दिल्ली-110 066
ई-मेल: media-cwc@gov.in